MJC-3/MIC-3/MDC-3

DATE 03 02 2026

Function : Types

निहित प्रकार्य (Latent Function) →

* मर्टन → "निहित प्रकार्य वे हैं जो न तो इच्छित होते हैं और न ही सामान्य लोगों द्वारा उन्हे पहचाना जाता है।"

"Latent functions being those which are neither intended nor recognised."

* प्रत्येक समाज में ऐसी बहुत-सी संस्थाएँ, रीतियाँ और लोकाचार होते हैं जिनके प्रत्यक्ष प्रकार्य कुछ मालूम होते हैं लेकिन उनके वास्तविक प्रकार्य कुछ और ही होते हैं। उदाहरण :→ होपी जनजाति (Hopi tribe) वर्षा लाने के लिए लोग सामूहिक रूप से नाचते-कूदते हैं और तरह-तरह के आयोजन करते हैं परन्तु इस तरह के कृत्य से वर्षा नही हो सकती पर इसके द्वारा व्यक्ति को सामूहिक रूप से कार्य करने और स्वस्थ मनोरंजन का अवसर जरूर मिल जाता है।

नोट :→ इन सामाजिक उत्सवों का प्रत्यक्ष प्रकार्य 'वर्षा' लाना है जबकि इनका निहित प्रकार्य 'सामूहिकता में वृद्धि करना' और 'स्वस्थ मनोरंजन' प्रदान करना है।

* समाज के अनेक परम्पराओं और लोकाचारों के द्वारा निहित प्रकार्य की अवधारणा को समझा जा सकता है। जैसे:- संस्कारों का प्रत्यक्ष प्रकार्य 'धर्म-कार्य' को पूरा करना जबकि इसका निहित प्रकार्य एक विशेष अवधि में व्यक्ति को उसके 'दायित्वों से परिचित कराना' तथा 'समाजीकरण' करना है।

PAGE

classmate